देखो शबरी के खुल गए भाग

देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए

मेरी कुटिया में गंगा और सरयू
स्नान करेंगे श्री राम कुटिया में राम आ गए

देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए

मेरी कुटिया में चंदन का पेड़ है
तिलक लगाऊ सुबह शाम कुटिया में राम आ गए

देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए

मेरी कुटिया में तुलसी का पेड़ है
पूजा करेंगे सुबह शाम कुटिया में राम आ गए

देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए

भर भर डलिया बैरों के लाई
देखो भोग लगाएं मेरे राम कुटिया में राम आ गए

देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए

जो बेर शबरी ने राम को दिए हैं
देखो राम जी ने खाई झुठे बेर जी

देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए

जो बेर शबरी ने लक्ष्मण को दिए हैं
लक्ष्मण ने फेंके नीचे बेर कुटिया में राम आ गए

देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए

लक्ष्मण को जब शक्ति लगी थी
संजीवन बन गए बेर कुटिया में राम आ गए

देखो शबरी के खुल गए भाग कुटिया में राम आ गए

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34698/title/dekho-shabri-ke-khul-gaye-bhag

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |